

ସମସ୍ତକୁ ସଂପୃଷ୍ଟ କରିବା: ନିମ୍ନ ପ୍ରାଥମିକ ଗଣିତ

ଓଡ଼ିଆ (ହିନ୍ଦି ସହିତ)

ଧାରାବିବରଣୀ:

ଗୋଟିଏ ବହୁ- ଶ୍ରେଣୀ ପ୍ରାଥମିକ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ, ବିଜନ୍ ଭାଷା ପୃଷ୍ଠାମିରୁ ଆସିଥିବା ୯୦ ଜଣ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ଜଣେ ଶିକ୍ଷକଙ୍କ ପାଖରେ ପଡ଼ନ୍ତି। ଗୋଟିଏ କୋଠରୀ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଗୋଟିଏ ଅସଂପୂର୍ଣ୍ଣ ବିଭାଜକ ଅଛି ଯାହା ପ୍ରଥମ ଶ୍ରେଣୀ ଓ ଦ୍ୱିତୀୟ ଶ୍ରେଣୀକୁ ଅନ୍ୟ ଶ୍ରେଣୀଠାରୁ ଅଲଗା କରୁଛି। ତୃତୀୟ ଶ୍ରେଣୀର ପିଲାମାନେ ଦୁଇଟି ଧାଡ଼ି, ଚତୁର୍ଥ ଶ୍ରେଣୀର ପିଲାମାନେ ଦୁଇଟି ଧାଡ଼ି ଏବଂ ପଞ୍ଚମ ଶ୍ରେଣୀର ପିଲାମାନେ ତିନୋଟି ଧାଡ଼ିରେ ସେହି ଏକା ଯ୍ୟାନରେ ବସୁଛନ୍ତି।

ଶିକ୍ଷକ ଏଠାରେ ଦକ୍ଷତାର ସହ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କୁ ଅର୍ଥପୂର୍ଣ୍ଣ କାର୍ଯ୍ୟକଲାପରେ ନିଯୋଜିତ କରି ରଖନ୍ତି। ସେ ତୃତୀୟ, ଚତୁର୍ଥ ଓ ପଞ୍ଚମ ଶ୍ରେଣୀ ପିଲାଙ୍କ ସହିତ ଉପାଧି ପୁନଃଆଲୋଚନା କରିବାରୁ ଆରମ୍ଭ କରନ୍ତି।

ଶିକ୍ଷକ: ଅବର ମେଂ ଆପକୋ, ଯହଁ ପର ତୀନ ଯା ଚାର ଭିନ୍ନ ଦୁଇଟି ଧାଡ଼ି ଏବଂ ତିନିଟି କେବଳ କିମ୍ବା ଏକା ଧାଡ଼ିରେ ବସୁଛନ୍ତି।

ଧାରାବିବରଣୀ:

ଶିକ୍ଷକ ତାଙ୍କର ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କୁ ଦଳଗତ ଭାବରେ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବାକୁ ଉପାହିତ କରନ୍ତି, ଯାହାପରିଲାଗରେ ସେମାନେ ପରଦରକୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିପାରିବେ ଏବଂ ଶିକ୍ଷକ ସାନ ପିଲାମାନଙ୍କ କଥା ବୁଝିପାରିବେ।

ଶିକ୍ଷକ: ମଦଦ କରନା ହେବାକୁ କିମ୍ବା ତାଙ୍କ କଥା ବସୁଛନ୍ତି?

ଧାରାବିବରଣୀ:

ଶିକ୍ଷକ କିପରି ସଠିକ୍ ଭାବରେ, ସମୟ ବ୍ୟବହାର କରୁଛନ୍ତି ଲକ୍ଷ୍ୟ କରନ୍ତି। ସେ ଅବିଶ୍ଵାସ ଭାବରେ ଅଲଗା ଅଲଗା ଶ୍ରେଣୀକୁ ବୁଲି ସମସ୍ତ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କୁ ଦିଆଯାଇଥିବା କାର୍ଯ୍ୟ, ସେମାନେ କରୁଛନ୍ତି କି ନାହିଁ ତାହା ସୁନିଶ୍ଚିତ କରୁଛନ୍ତି।

ଏହା ମଧ୍ୟ ଲକ୍ଷ୍ୟ କରନ୍ତି, ଯେ କିପରି ଭାବରେ ସେ ପ୍ରଥମ ଏବଂ ଦ୍ୱିତୀୟ ଶ୍ରେଣୀ ପିଲାଙ୍କ ପାଇଁ ଘରୋଇ ଭାଷା ବ୍ୟବହାର କରୁଛନ୍ତି, ଯାହାପରିଲାଗରେ ସେମାନେ କଥା ବୁଝି କାମ କରିପାରିବେ, ଏବଂ ଧୀରେ ଧୀରେ ବ୍ୟବହାର କରିବାକୁ ଶିଖିପାରିବେ।

ଶିକ୍ଷକ: ତୁମ କାଂ୍ୟ କରି ରିଯା ହୋ?

ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ୧: ମୁଁ ପଢ଼ି ରିଯୋ ହୁଁ।

ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ୨: ମୁଁ ପଢ଼ି ରିଯୋ ହୁଁ।

ଶିକ୍ଷକ: ଅଚାଳା! ଓହ! ଅ... Very good! ଲିଖନେ କା କାମ ଥୋଡ଼ି ଦେର କେ ଲିଏ ବଂଦ କର ଦୀଜିଏ। ଅପନ, ଆଜ ଖେଲ ଖେଲେଗେ, ନୟା। ଅବ ଅପନ, ଗିନତି କୋ ଜୋଡ଼ନା ସୀଖେଗେ। କ୍ୟା କରେଗେ?

ଧାରାବିବରଣୀ:

ଶିକ୍ଷକ ଛୋଟପିଲାମାନଙ୍କୁ କିପରି ଗଣନା ଓ ମିଶାଣ କରିବାକୁ ହୁଁ ଶିଖାଉଛନ୍ତି।

ଶିକ୍ଷକ: ଯେ ଇନ୍ଦ୍ରିୟକୁ କ୍ୟା ବୋଲତେ ହେବାକୁ କିମ୍ବା ଅପନୀ ଭାଷା ମେଂ?

छात्रात्रु १: दरगड़।

शिक्षक: दरगड़। और वो बिल्ली को क्या बोलते हैं?

छात्रात्रु १: मिन्गी।

शिक्षक: मिन्गी। कौन बोला मिन्गी?

छात्रात्रु १: हम।

शिक्षक: हाथ ऊँचा करो! मांजरी भी बोलते हैं? शब्दास!

मेरे पास हैंगी, आइसक्रीम खाने की चम्मच।

शिक्षक दाक्षात्कार:

एठारे आमे एकाठि उषा बयवहार करिथाउ - नेमाडि, लिल उषा एवं अच माल्हि उषा, एवं छात्रात्रुमाने यदि एपरि शब्द कहन्ति, याहाकि मूँ बुझेपारे नाहि, तेबे मूँ डाङ श्रेणीर पुरुणा छात्रात्रु एहार अर्थ पठारो। एहिपरि उबरे मूँ शब्द शिक्षायाए ओ परे केहि बयवहार कले, मूँ डाहा बुझेपारे।

शिक्षक: ये कितनी हैं?

छात्रात्रुमाने: दो।

शिक्षक: ऐसे? शब्दास! अब कितनी हो गई?

छात्रात्रुमाने: चार।

शिक्षक: चार हो गई? शब्दास! ये कितनी हैं?

छात्रात्रुमाने: दो।

शिक्षक: दो। और ये चार। दो इ दो, मिला दूँ? दो इ दो? अब कितनी हो गई?

छात्रात्रुमाने: छह।

शिक्षक: छह। मुझे ऊँगली पर गिन के बताओ - छह।

छात्रात्रुमाने: एक, दो, तीन, चार, पाँच, छह!

शिक्षक: शब्दास! अब अपन यहाँ पर जोड़ करेंगे एक बार और। कॉपी निकालो अपनी-अपनी सब बच्चे। अब इसमें जोड़ का निशान लगाएँगे। जोड़ का निशान ऐसा होता है। शब्दास!

धाराविवरण:

शिक्षक डाङ छात्रात्रुमानकु एकाठि काम करिबाकु उपाहित करन्ति, एवं परव्वरकु याहायि करिबाकु कहन्ति, याहापालरे केहि पछरे पढ़न्ति नाहिँ। एहिपरि करिबा द्वारा ये एक अनुकूल एवं परव्वर पाइँ सहयोगी बातावरण सृष्टि करन्ति।

शिक्षक: हाँ, लिखिए आराम से लिखिए। हाँ, हाँ, हाँ।

छात्रछात्रा॒१ ९: अभी रुकना, sir जी।

शिक्षक: हाँ, मैं रुका हुआ हूँ। आप लोग आराम से लिखिए।

छात्रछात्रा॒१ ९: फिर लिख दिया sir जी।

शिक्षक: जिसने-जिसने सही करा हो, वो अपनी कॉपी में ऐसे right का निशान लगा लीजिए, और अपना-अपना हाथ से अपना-अपना नाम लिख लीजिए।

छात्रछात्रा॒१ ९: Sir जी, please.

शिक्षक: Very good! शाब्दास! Very good, दुर्गा!

छात्रछात्रा॒१ ९: Sir जी।

शिक्षक: Very good!

छात्रछात्रा॒१ ४: Sir जी।

शिक्षक: Very good!

छात्रछात्रा॒१ ४: Sir जी।

शिक्षक: Sir जी।

शिक्षक: बहुत अच्छे, किरन!

ये वाला सवाल आप लोग करेंगे, सभी बच्चे।

शिक्षक साक्षात्कार:

समग्र श्रेणीकू पढ़ाइबा एक समस्या होड़थाए, किन्तु गणित परि विषयरे चिनोरि वा एहिपरि अधूक श्रेणीमानक्कर विषय, प्राय समान होड़थाए। मूँ प्रतेयक श्रेणीमानक्कर विभिन्न जिनिषकू छोट छोट कार्यरे भांगि देइथाए, प्याहापलरे छात्रछात्रा॑माने एकाठि एहा करिपारक्ति। यदि जग्ने कम् बयसर छात्रछात्रा॑ एहि कार्य करिबाकू सक्षम हुआन्ति नाहीँ, तेबे अधूक बयसर छात्रछात्रा॑ किम्बा श्रेणीर अन्य केहि छात्रछात्रा॑ ताकू साहाय्य करिपारक्ति।

शिक्षक: अच्छा बच्चों, आप लोग, मेरी तरफ ध्यान दीजिए सब बच्चे। शाब्दास! क्या आप लोगों ने - मैंने ये भिन्न दी थी - इसके चित्र बना लिए हैं सबने?

छात्रछात्रा॑माने: हाँ।

शिक्षक: Very good!

छात्रछात्रा॑: Sir जी।

शिक्षक: अब आप लोग अपने-अपने कार्ड के ऊपर अपना-अपना नाम लिख लीजिए।

छात्रछात्रानेः लिख लिया।

शिक्षक: लिख लिया?

अब दूसरा काम ये करना है, आप लोग अपना कार्ड इससे बदल लो - और उसका कार्ड इसको दे दो। आपस में बदल लीजिए कार्ड।

क्या आपने ऐसा चित्र बनाया है?

छात्रछात्रानेः हाँ

शिक्षक: शाब्दास! तो अपनी उसमें right का निशान लगा दीजिए, जिसने ऐसा चित्र बनाया है।

ये दो colour भर दिए?

कोई जरूरी नहीं है कि सभी colour पास-पास में ही भरें। दूर भी भर देंगे तो उत्तर गलत नहीं होगा।

मैं एक एक बच्चे का कार्ड लूँगा, और मैं इसको बाद में check करूँगा, मुझे जब भी थोड़ी सी फुरसत मिलेगी, जब।

लाइए, अपनी अपनी जगह बैठते भी जाइए। बैठते भी जाइए अपनी जगह पर।

ये आप इसका जोड़ करना सीखेंगे।

धाराविद्वरण1:

ठाहा परे शिक्षक छृष्टान्य, छृष्टुर्थ एवं पञ्चमग्रेणी पाइँ नूथा कार्यं प्रस्तुत करिथान्ति।

शिक्षक: क्या कोई ऐसा बच्चा है, जिसको समझ में नहीं आया? नहीं आया तो हाथ ऊँचा कर सकता है - अभी मुझसे।

धाराविद्वरण1:

अथाय शेषरे, शिक्षक उक्त छात्रात्रा कश बुझेष्टि यांर करक्ति, उक्तु बृद्धान्त कार्यं दिअन्ति ओ येउँमाने उल उबरे बुद्धि पारिनथान्ति येमानक्तु अन्यमानक्त यहित कार्यं करिबाकु उष्टाहित करिथान्ति येउँमाने कि येमानक्तु याहाय करिपारिबे।

शिक्षक: शाब्दास! बहुत अच्छे।

आपने गिनती लिखी है? Very good!

छात्रछात्रानेः Sir जी। Sir जी।

शिक्षक: बहुत अच्छे, सुमीत।

एक मिनट हूँ बेटा, देखता हूँ अभी आपका भी। है ना।

शाब्दास! बाकि सब सही है, ये एक - थोड़ा सा - तीनों लाइन में आना चाहिए, बेटा।

आप बताइए। आपने गिनती लिखी?

छात्रछात्रानेः Sir जी। Sir जी।

शिक्षक: बड़े बच्चों, क्या आप लोगों ने ये भिन्न कर लिये?

छात्रछात्रानेः हाँ, sir।

शिक्षक: शाब्दास! एक बार घर पे जा के चित्र भी बना के लाना है।

छात्रछात्रानेः हाँ।

शिक्षक: ठीक है?

शिक्षक वाक्यात्मकारः

मुँ येतेबेले नूआ बिश्य वा अधाय आरम्भ करे, मुँ दुर्बल पिला ०। रु दृढ़ पर्याप्त याइथाए। येउँ छात्रछात्रानेदुर्बल, येमानक्के उपरे धान देइथाए, एवं येमानक्के प्रश्नगुणिकु बुझाइबारे याहाय करिथाए।

येमाने बुझिपारिछक्कि ना, पठारे एवं यदि बुझिपारिनथाक्कि मुँ पूछि बुझाइ देइथाए।

धाराबिबरणः

प्रकल्पुद जाबरे श्रेणीगृह परिचालना समष्टि छात्रछात्रान्कु सक्रिय शिक्षालाभरे नियोजित करिबा पालँ गुरुद्वपूर्ण होइथाए। एथरु शिक्षकमानक्कर केउँ अभ्यासगुणिक आपश निज श्रेणीगृहरे प्रयोग करिपारिबे ?